



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 45 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 25, 2001/माघ 5, 1922

No. 45]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 25, 2001/MAGHA 5, 1922

श्रम मंत्रालय

MINISTRY OF LABOUR

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2001

New Delhi, the 16th January, 2001

का.आ. 72(अ).—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का अधिनियम 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखण्ड (i) के अनुसरण में, खनिज तेल, (अपरिष्कृत तेल), मोटर और विमानन स्पिरिट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल, विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके सम्मिश्रणों, जिनके अन्तर्गत संश्लिष्ट ईंधन, स्नेहक तेल, और इसी प्रकार की वस्तुएं आती हैं, के विनिर्माण और उत्पादन में लगे नियंत्रित उद्योग को, जिसे औद्योगिक (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का अधिनियम 65) की धारा 2 के अधीन, नियंत्रित उद्योग घोषित किया गया है, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

S.O. 72(E).—In pursuance of sub-clause (i) of Clause (a) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947), the Central Government hereby specifies, for the purpose of that sub-clause, the controlled industry engaged in the manufacturing or production of mineral oil (crude oil), motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like which is controlled by the Central Government under Section 2 of the Industries (Development of Regulation) Act, 1951 (Act 65 of 1951)

[फा. सं. एम-11025/23/83/डी. I(A)/आई आर (पी एल)]

[F. No. S-11025/23/83/DI(A)/IR(PL)]

पद्मा बालासुब्रामणियन, संयुक्त सचिव

PADMA BALASUBRAMANIAN, Jt Secy.

